पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना

विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना (ई.एस.आई.पी.) सतत् भूमि और पारितंत्र प्रबंधन और जीविका लाभ के माध्यम से अनुकूलन आधारित शमन के लिए मॉडल का प्रदर्शन करके ग्रीन इंडिया मिशन के लक्ष्यों का समर्थन करता है। ई.एस.आई.पी. जैवविविधता और कार्बन स्टॉक सहित प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए नए उपकरण और प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहा है। परियोजना के मुख्य घटक हैं: वानिकी और भूमि प्रबंधन कार्यक्रमों में सरकारी संस्थानों की क्षमता को मजबूत करना, वन गुणवत्ता में सुधार करना, और सतत् भूमि और पारितंत्र प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रणालियों को बढ़ाना। ई.एस.आई.पी. को भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के समग्र मार्गदर्शन में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद्, छत्तीसगढ़ वन विभाग और मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के चुनिन्दा भूभागों में क्रियान्वयित किया जा रहा है।

प्रकाशित :

ई.एस.आई.पी.– परियोजना कार्यान्वयन इकाई
जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन प्रभाग
भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248 006
वेबसाइट : www.icfre.gov.in
कॉपीराइट@ICFRE, 2020

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

परियोजना निदेशक, पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006
फोन : 0135–2224831
ई–मेल : projectdirectoresip@gmail.com

परियोजना प्रबंधक, पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006
फोन : 0135–2224803, 2750296, 2224823
ई–मेल : rawatrs@icfre.org; esippm@gmail.com

लाख की खेती

लाखों की आमदनी का श्रोत

सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रणाली

THE WORLD BANK
IBRD • IDA | WORLD BANK GROUP

लाख क्या है?

लाख, प्राकृतिक रूप से स्रावित राल का एक प्रकार है जिसे लाख का कीड़ा अपनी व अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने शरीर से स्रावित कराता है। इसे ही लाख कहते हैं जिसका आर्थिक रूप से बहुत महत्त्व है।

लाख की खेती
लाखों की आमदनी का श्रोत

पलाश के पेड़ में फूंकी लगाती महिला

लाख की खेती कैसे करें?

- लाख की खेती के लिए सबसे आवश्यक है पोषक पौंधों की उपलब्धता जैसे कुसुम, समिलता, बेर, खैर, भलिया, गिलोय, पलाश, पीपल, घोंट आदि।
- लाख की खेती का पहला चरण है पोषक पौंधों का चयन, दूसरा है समय–समय पर पौधों की छटाई, तीसरा लाख के कीड़ों को पौंधों की नयी शाखाओं में स्थापित करना (बीज चढ़ाना), चौथा है लाख के श्राव से लदी डंडियों (फूंकी) को समय से हटाना तथा अंतिम है फसल की कटाई।
- गुणवत्ता के आधार पर लाख की दो किस्में होती हैं –कुसुमी और रंगीनी। कुसुमी लाख की गुणवत्ता रंगीनी लाख से अच्छी मानी जाती है तथा इसका बाजार में अधिक मूल्य मिलता है। किस्म के आधार पर पौधों की छंटाई, बीज चढ़ाने और फसल काटने का समय अलग अलग होता है।
- जुलाई से अक्टूबर माह में लाख के बीज को (ब्रूड लाख) पोषक पौंधों की शाखाओं में स्थापित किया जाता है। 21 दिन बाद लाख के श्राव से लदी शाखाओं (फूंकी) को एकत्र कर लेते हैं।
- फिर इन शाखाओं से लाख को खुरच कर एकत्र करके भण्डारण कर दिया जाता है या फिर सीधे बाजार में बेच दिया जाता है।

रंगीनी लाख

- रंगीनी लाख पलाश, पीपल, घोंट के पेड़ों से ली जाती है
- रंगीनी लाख के पोषक पौंधों की छंटाई – **फरवरी से अप्रैल**
- 6 माह में रंगीनी लाख के पौंधे बीज लगाने के लिए तैयार हो जाते हैं।
- रंगीनी लाख फसल चक्र– **केतकी** व **बैशाखी**
- **केतकी** का बीज/कीट जून– जुलाई व बैशाखी का बीज/कीट अक्टूबर में चढ़ाया जाता है जिसे जाली के बैग में डालकर पेड़ की नयी शाखाओं से साथ सुतली से बांध देते हैं और 21 दिन में हटा देते हैं।
- अक्टूबर–नवम्बर में **केतकी** व जून–जुलाई में **बैशाखी** लाख की फसल प्राप्त हो जाती है।

कुसुमी लाख

- कुसुमी लाख कुसुम, समिलता, बेर, खैर, भलिया, गिलोय आदि से ली जाती है
- कुसुमी लाख के पोषक पौंधों की छंटाई– **जनवरी–फरवरी** तथा **जून–जुलाई**
- एक से डेढ़ वर्ष में कुसुमी लाख के पौंधे लाख का बीज लगाने के लिए तैयार हो जाते हैं।
- कुसुमी लाख फसल चक्र– **अधहनी** व **जेठकी**
- **अधहनी** का बीज/कीट जून–जुलाई व **जेठकी** का बीज/कीट जनवरी–फरवरी में चढ़ाया जाता है जिसे जाली के बैग में डालकर पेड़ की नयी शाखाओं से साथ सुतली से बांध देते हैं और 21 दिन में हटा देते हैं।
- जनवरी–फरवरी में **अधहनी** व जून–जुलाई में **जेठकी** लाख की फसल प्राप्त हो जाती है।

लाख की खेती के समय ध्यान देने योग्य बातें

- पेड़ों की छंटाई करते समय मोटी टहनियों को न कांटे। सवा से ढाई सेंटीमीटर मोटाई वाली टहनियों को 1 फीट की ऊंचाई से व इससे कम मोटाई वाली टहनियों को जोड़ से काट दें। सुखी रोगग्रस्त टहनियों को पूरी तरह से काट दें।
- आवश्यकता पड़ने पर जैविक कीटनाशकों का छिड़काव करें।
- लाख के बीज वाली डंडियों (फूंकी) को कीड़ों के निकलते ही उतार लें और इनमें से लाख छीलकर तुरंत बेच दें अन्यथा इनमें शत्रु कीट विकसित होकर नयी फसल को नुकसान पंहुचा सकते हैं।
- अच्छी पैदावार पाने के लिए लाख के कीड़ों के पूरी तरह से निकलने के बाद ही लाख की छड़ियों को काटें।
- अक्टूबर माह में रंगीनी फसल लेते समय थोड़ी बहुत लाख के दानों वाली टहनियों को छोड़ दें जिससे अप्रैल माह में छंटाई के समय कच्ची लाख जिसे अरी लाख भी कहते हैं, मिल जाती है।
- फसल की कटाई के बाद लाख के दानों वाली टहनियों से लाख को खुरच कर एकत्र करके भण्डारण कर दिया जाता है या फिर सीधे बाजार में बेच दिया जाता है।
- लाख की अच्छी पैदावार के लिए स्वस्थ बीज का प्रयोग करें।

लाख की खेती से होने वाले आर्थिक लाभ

कुसुमी लाख के एक पौंधे से साल में लगभग रूपये 5000 से 6000 तक का आर्थिक लाभ मिलता है। रंगीनी लाख भी वर्षभर में प्रति पेड़ में आने वाली लागत का लगभग दुगना फायदा देती है चूँकि यह कुसुमी लाख से मिलने वाले लाभ से कम होता है।

लाख की खेती का महत्त्व

पारितंत्र सेवायें सुधार परियोजना के तहत ली गयी यह प्रणाली किसानों के लिए अतिरिक्त व अच्छी आय की उत्तम श्रोत है जो आय वृद्धि के साथ साथ जैव विविधिता और भूमि संरक्षण को बढ़ावा देकर पारितंत्र से जुडी सेवाओं को बहाल करने और बढ़ाने में सहायक है।